

पाया-विधि का स्वजाना मैंने मँगा तेरी करुणा की दया चाहिए ॥२॥
① विधि से निर्मित ये विधान है - विधि से मिलता ही विधान है
कोई धन की न माया चाहिए तेरी करुणा की
पाया-विधि का स्वजाना - तेरी करुणा की

② विधि विधाता की शक्ति है - विधि से जीवन और मुक्ति है ॥२॥
निर्मल जीवन की कथा चाहिए तेरी करुणा की
पाया-विधि का स्वजाना - तेरी करुणा की

③ निर्विकार जीवन की धारा - महिमा इसकी अमम-अपरा ॥२॥
ध्यान मँगा से लेगाया, इतना ही चाहिए तेरी करुणा की
पाया-विधि का स्वजाना - तेरी करुणा की

④ विधिवत कर्म किया है जिसने - मन वांछित फल पाया उसने ॥२॥
मम मँगा कोटी माया, यही चाहिए तेरी करुणा की
पाया-विधि का स्वजाना - तेरी करुणा की

⑤ "श्री बाबा श्री" अमन्द में गाये - शेरों के मँगे तुम्हें बुलाये ॥२॥
दिल से ओं मी हुआ तेरा प्यार चाहिए तेरी करुणा की
पाया-विधि का स्वजाना मैंने मँगा तेरी करुणा की दया चाहिए ॥२॥